safbin
For Small Farmers Future

वर्षा आधारित क्षेत्र में अनुकूलित खेती पर प्रयोग

मछली खाद

यह तरल जैविक खाद है जो कि पौधों की बढ़ने में मदद करता हैं। इसमे प्रचुर मात्रा मे पोशक तत्व पाया जाता हैं।

सामग्री

पानी
(1 ली.)

काला पुराना गुड़
(500 ग्रा.)

मछली
(500 ग्रा.)

बनाने की विधी

सर्वप्रथम सभी सामग्री जुटाकर एक साथ मिला लें और उसको डब्बे मे डालकर डब्बे का ढक्कन अच्छी तरह बन्द कर दें। और 2 से 3 दिन के अन्तराल पर इसको चलाते रहे और लगभग 15 से 20 दिनो मे यह गाढ़ा लेप की तरह बन जायेगा और मछली खाद तैयार हो जाता हैं।

उपयोग

सर्वप्रथम गाढ़ा लेप को अच्छी तरह छान ले इसके बाद 100 मि.ली. खाद को 15 ली. पानी मे मिलाकर छिड़काव करें। मछली खाद का छिड़काव 10 दिनो के अन्तराल पर करें।

सावधानिया

- ✓ मछली खाद को हमेशा गॉव के बाहर बनाना चाहिए क्योकि इसमे महक ज्यादा होती हैं।
- ✓ कुत्ते और बिल्ली से बचाकर रखना चाहिए।
- ✓ डब्बे का ढक्कन अच्छी तरह बन्द करके रखें।
- ✓ छिड़काव करते समय मुँह को अच्छी तरह कपड़े से बाँध लें।

Co-Financed by
European Union
Caritas Austria

"This document has been produced with the financial assistance of European Union. The contents of this document are the sole responsibility of the SAFBIN project partners and under no circumstances be regarded as reflecting the position of the European Union"

Implemented by
Caritas INDIA
The Joy of Service...

Associate Partners
AFPRO
Action For Food Production

CARITAS INDIA, CBCI CENTRE, 1 ASHOK PLACE, NEW DELHI 110001
Website: www.safbin.org, Email: sacu@safbin.org

© Caritas India@2015